



Yash



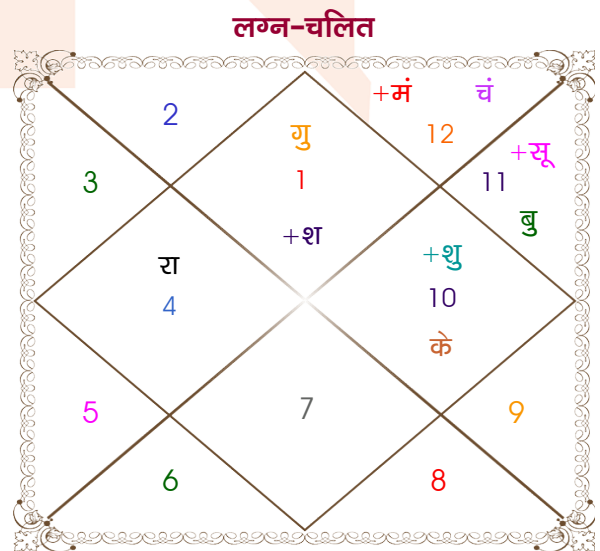
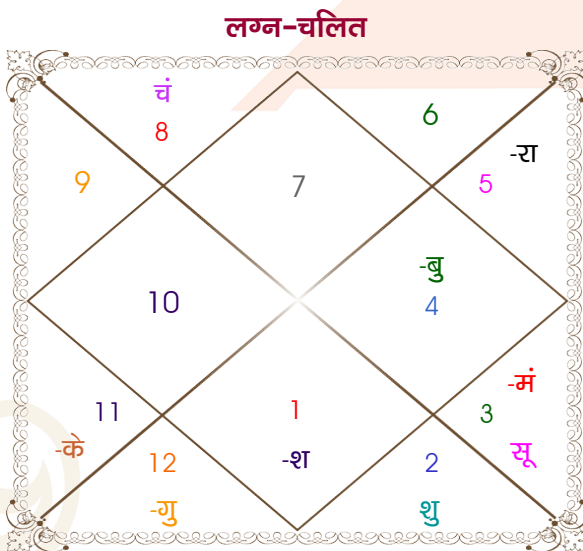
Deepanshu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120783202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/07/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 07/03/2000
 मंगलवार : _____ दिन _____ मंगलवार
 घंटे 15:29:00 : _____ जन्म समय _____ 08:37:00 घंटे
 घटी 24:46:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 04:47:25 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Alwar : _____ स्थान _____ Alwar
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 27:32:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:35:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:23:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:34:14 : _____ सूर्योदय _____ 06:42:02
 19:22:33 : _____ सूर्यास्त _____ 18:27:41
 23:50:03 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:20

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	मेष	01:42:00	शनि 17वर्ष 11मा 23दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	कुंभ	22:59:50	बुध	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	मीन	04:02:54	28/02/2018	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	मीन	24:20:10	01/03/2035	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध व	कुंभ	12:06:36	बुध	27/07/2020
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मेष	10:00:33	केतु	24/07/2021
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	मक	28:17:37	शुक्र	24/05/2024
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मेष	19:04:45	सूर्य	31/03/2025
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कर्क	09:06:22	चन्द्र	30/08/2026
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मक	09:06:22	मंगल	27/08/2027
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	24:37:30	राहु	16/03/2030
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	11:42:12	गुरु	21/06/2032
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:01:36	शनि	01/03/2035



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

लै का वर्ग मृग है तथा कममचंदीन का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लै और कममचंदीन का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

लै मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

कममचंदीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र कममचंदीन की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लै की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

ले तथा कममचंदीन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com